Title: Need to compensate the farmers whose crops have been damaged due to flood, cold wave and hailstrom in some districts of Bihar.

श्रीमती रेनु कुमारी (खगड़िया) : अध्यक्ष महोदय, मैं बिहार के खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, बांका आदि जिलों के किसानों का दुख-दर्द आपको सुनाने के लिए खड़ी हुई हूं। अगस्त और सितम्बर महीनों में जब बिहार में बाढ़ आई थी, तो इन जिलों के किसानों की खरीफ की फसल उस बाढ़ में डूब गई थी। किसान इस दुख से उबरा भी नहीं था कि अभी जनवरी महीने की भीाण शीत लहर में उसकी पान, गेहूं, मक्का, केला, तिलहन और दलहन की फसल भी खत्म हो गई। पान के किसानों की सारी फसल चौपट हो गई। गेहूं का बड़ा-बड़ा पौधा है, उसमें बालियां आई हुई हैं, लेकिन उनमें एक भी दाना नहीं है। प्रकृति उसकी मदद नहीं कर पाई और प्रकृति का प्रकोप यह हुआ कि वहां हुई ओलावृटि में उसकी सारी फसल खत्म हो गई। आज हालत यह है कि खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर और बांका जिलों के किसान अपने खेत में दहाड़ें मार कर रो रहे हैं। उन किसानों की रबी की फसल भी बर्बाद हो चुकी है। उनके घरों में खाने को कोई अनाज नहीं है। इसके अलावा वहां के किसानों को कर्ज उतारने की भी समस्या पैदा हो गई है। मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह यहां से एक टीम वहां भेजे। वह टीम इन जिलों में जाकर किसानों की फसल की क्षतिपूर्ति का जायजा ले। इसलिए मैं प्रधान मंत्री जी से आग्रह करती हूं कि इन किसानों को, जो दहाड़ें मार कर रो रहे हैं, त्राहिमाम की स्थिति में हैं, इनके आंसू नहीं सूख रहे हैं, उनको आंसुओं को पोंछने के लिए राट्रीय आपदा राहत कोा से उनकी बर्बाद फसल की क्षतिपूर्ति की जाए।

SHRI K. YERRANNAIDU(SRIKAKULAM) : Mr. Speaker, Sir, I have to raise a very important matter....(*Interruptions*)

SHRI S.S. PALANIMANICKAM(THANJAVUR): Sir, Shri Vetriselvan also has to raise a very important matter.

MR. SPEAKER: That is very nice.